हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 8 अगस्त 2025

04 लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर की जाए ...

07 'साहब' हमारा 3 माह का राशन दिला दो गेहूं-चावल...

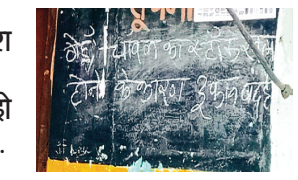

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के लिए आवेदन अमंत्रित किए

सीहोर। शासन के धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमन्त्री तीर्थदर्शन योजना अतर्गत जिले से दो यात्राओं का आयोजत किया जाना है। जिसमें वाराणसी-आयोध्या यात्रा 13 अगस्त से 18 अगस्त तक एवं तिरूपति यात्रा 24 सितम्बर से 29 सितम्बर तक आयोजन किया गया हैं। तीर्थ यात्रियों की उम्र पुरूष की 60 वर्ष एवं महिला की 58 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए एव उन्हें सहायक की पात्रता होगी। यदि जिले में आवंटित निर्धारित कोटा से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो ऐसी स्थिति में यात्रियों का चयन कम्प्यूटराईज्ड लॉटरी सिस्टम से किया जयेगा। आवेदक अपना आवेदन भरकर अपने निकटतम नगर पालिका, नगर परिषद एवं जनपद कार्यालय में समय सीमा से पूर्व जमा करावें।

ऋणी किसान 30 अगस्त फसल बीमा करा सकते हैं

सीहोर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत अऋणी किसानों के लिए खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़कर 14 अगस्त कर दी गई है तथा ऋणी किसानों के लिये अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अगस्त 2025 कर दी गई है। जिन किसानों ने बैंकों से केसीसी लिया है और उनका बीमा बैंक द्वारा किया जाता है, किसी कारण से बैंक द्वारा बीमा नहीं किया गया है तो वह किसान बैंक से संपर्क कर अपना फसल बीमा कराएं। अऋणी किसान एवं ऐसे किसान जिनका फसल बीमा छूट गया है वह अंतिम तिथि का इंतजार न करें और शीघ्र ही पास की बैंक शाखा जैसे सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, जन सेवा केंद्र तथा सीएससी ऑनलाइन पर जाकर फसल बीमा कराए। ताकि फसल नुकसानी के समय किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकें। फसल बीमा कराने के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड (मोबाइल नंबर से लिंक), जमीन सिकमी (बटाई पर) होने पर इसका शपथ पत्र, भू-अधिकार ऋण पुस्तिका/खसरा खतौनी, बैंक पासबुक, बुवाई प्रमाण पत्र (जो कि पटवारी पंचायत सचिव, कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो), फार्मर आई डी आदि ले जाना अनिवार्य है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि खरीफ फसलों का बीमा अवश्य करायें ताकि प्रतिकूल मौसम के कारण फसल नुकसान या उपज में कमी होने पर फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान की प्रतिपूर्ति हो सके।

बड़ी संख्या में धाम पर नजर आए श्रद्धालु, न कोई पूछने वाला, न कोई सुनने वाला नजर आया

कुबेरेश्वर धाम @ रात एक बजे : हर तरफ नजर आई बदइंतजामी, हाईवे किनारे सोते मिले श्रद्धालु

आधी रात को भी सीवन नदी से जलकर पैदल चलकर कुबेरेश्वरधाम जाते दिखे कांवड़िए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

बुधवार के दिन सीहोर जिला पूरे प्रदेश में सुर्खियों में रहा। दरअसल, यहां पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई, जिसमें करीब 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल हुए। हालांकि धार्मिक आयोजन के दौरान बदइंतजामी भी देखने को मिली, नतीजतन महज तीन दिन में ही 7 श्रद्धालुओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। कांवड़ यात्रा तो निकल गई, लेकिन यात्रा के बाद भी श्रद्धालुओं को बदइंतजामों का सामना करना पड़ा। हरिभूमि टीम बुध-गुरुवार की रात 1.00 बजे कुबेरेश्वर धाम पहुंची, जहां भारी तादाद में श्रद्धालु नजर आए तो वहीं इंदौर-भोपाल हाईवे किनारे लोग रात बिताने को मजबूर हुए।

बता दें 6 अगस्त को निकली कांवड़ यात्रा के लिए पं. प्रदीप मिश्रा ने देश भर में आयोजित कथाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आने का आमंत्रण दिया था। पं. प्रदीप मिश्रा के आव्हान पर देश भर से भारी तादाद में श्रद्धालु सीहोर पहुंचे। बुधवार सुबह 9.30 बजे पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में भव्य कांवड़ यात्रा का आगाज हुआ। यात्रा में दूर प्रदेशों के भारी आवाज वाले डीजे भी बुलाए गए थे, जो आलोचनाओं का शिकार हुए। साढ़े चार घंटे का सफर तय कर यात्रा दोपहर करीब 2 बजे कुबेरेश्वर धाम पहुंची।

यात्रा के पहले और बाद में बदइंतजामी

पं. प्रदीप मिश्रा के आव्हान पर देश भर से यात्रा के एक दिन पहले ही भारी तादाद में श्रद्धालु सीहोर पहुंच गए। पर्याप्त व्यवस्था के इंतजाम नहीं होने की वजह से महिला-पुरुष श्रद्धालु सडक़ों पर सोए तो खुली सडक़ों पर ही स्नान करने के लिए भी विवश हुए।

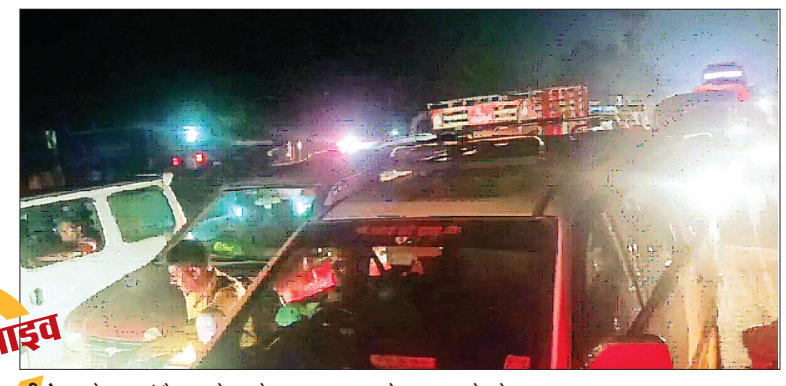

सीहोर। भोपाल-इंदौर हाइवे पर देर रात तक जाम के हालात बने रहे।

सीहोर। इंदौर-भोपाल हाइवे के किनारे इस तरह रात करीब एक बजे बड़ी संख्या में महिलाए श्रद्धालु दिखीं

... है भगवान यहां से निकाल दो

आधी रात को श्रद्धालुओं के माथे पर परेशानी साफ नजर आ रही थी। श्रद्धालु कैसे न कैसे यहां से निकलने के लिए आतुर थे। लेकिन मजबूरी ऐसी की साधन न होने से निकल न सके। आधी रात को हाईवे पर ट्रैफिक व्यवस्था भी बदहाल नजर आई, ऑटो वाले जिसकी जहां मर्जी आ रही थी, वह गाड़ी लेकर खड़ा दिखा। ऑटो चालकों की मनमानी के चलते रात में ही एक ऑटो पलट गया, जिससे 5 लोग घायल हुए तो वहीं कुबेरेवर धाम से रेलवे स्टेशन-बस स्टैंड तक बाईक चालक भी दो-तीन सवारी बिठाकर छोड़ रहे थे, वह किराए के रूप में श्रद्धालुओं से 200-300 रुपए की वसूली कर रहे थे और ज्यादा कमाने के लालच में तेज गति से वाहन चला रहे थे। इधर गुरुवार को सुबह 4 बजे से लेकर देर तक तक शहर की सडक़ों पर श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य तक जाने के लिए वाहनों को तलाशते नजर आए।

उम्मीद लगाई जा रही थी यात्रा के बाद श्रद्धालु रवाना हो जाएंगे, लेकिन वाहन साधन उपलब्ध नहीं हो पाने की वजह से मजबूरन भारी तादाद में श्रद्धालुओं को धाम व सीहोर में ही रुकना पड़ा।

हाईवे किनारे सोने को मजबूर

हरिभूमि टीम बुध-गुरुवार की रात 1 बजे सीवन नदी तट से कुबेरेश्वर धाम तक लाइव कवरेज करते हुए पहुंची। इस दौरान सीवन नदी तट से कांवड़िए नदी में जल भरते नजर आए। दरअसल, बुधवार सुबह श्रद्धालु यहां सडक़ पर ही नल से जल भर रहे थे, लेकिन रात को श्रद्धालु तट पर पहुंचकर जल भरते नजर आए। यहां से पैदल चलते हुए श्रद्धालु कुबेरेश्वर धाम पहुंचे। हरिभूमि टीम जब कुबेरेश्वर धाम पहुंची तो धाम से पहले ही इंदौर-भोपाल हाईवे के किनारे आधी को श्रद्धालु सोते हुए नजर आए। हाईवे पर श्रद्धालुओं की रेलमपेल नजर आई।

अब तक 7 की मौत

कुबेरेश्वर धाम पर आस्था के बीच दुखद खबर भी सुनने को मिल रही है। मंगलवार से गुरुवार तक 7 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। मृतक श्रद्धालुओं में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर तहसील पिपराइच बड़ा टोला निवासी 22 वर्षीय उपेन्द्र गुप्ता पिता प्रेम गुप्ता, संगीता गुप्ता (48), जसवंती बहन (56), श्रद्धालु चतुर सिंह (50), ईश्वर सिंह (65) सहित 8 लोगों की मौत हुई है।

आधी रात को भी खचाखच भरा था धाम

हरिभूमि टीम हाईवे से निकलकर अंदर कुबेरेश्वर धाम पहुंची, जहां आधी को भी कुबेरेश्वर धाम श्रद्धालुओं से खचाखच भरा था। श्रद्धालुओं की संख्या का तो अनुमान नहीं लगाया जा सका, लेकिन जिसे जहां जगह मिली वह वहीं सोता नजर आया। बदइंतजामी के कारण लोग भूखे-प्यासे परेशान होते मिले। धाम पर न तो वालेंटियर नजर आए न ही प्रशासनिक अमला। बात करने पर श्रद्धालुओं ने बताया कि न तो कोई पूछने वाला है, न ही कोई सुनने वाला।

जिला पंचायत सीईओ ने ली पीएमएफएमई योजना के संबंध में बैठक

सीहोर। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन की अध्यक्षता में (पीएमएफएमई) योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उद्यानिकी विभाग की लक्ष्य पूर्ति, उद्यमियों को मार्केटिंग एवं पैकेजिंग के लिए प्रशिक्षण, उत्पाद के लिए स्थानीय बाजार, मशीन खरीदने के लिए इंपैनल्ड वेंडर एवं नवीन उद्यमियों को मार्गदर्शन तथा सफल उद्यमियों को पीएमएफएमई के तहत एंबेसडर निर्धारित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में जिला रिसोर्स पर्सन से बैंक में लोन स्वीकृति के लिए संबंधित दस्तावेजों के संबंध में चर्चा की गई।

नपा के व्यवस्थित इंतजामों से श्रद्धालुओं को मिली राहत...

सीहोर। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर के नेतृत्व में नपा ने शहर में निकली भव्य कांवड़ यात्रा के लिए बेहतरीन और व्यवस्थित इंतजाम किए। इन व्यवस्थाओं की वजह से श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली। नपा की ओर से किए गए पुख्ता इंतजामों की शहरवासी सोशल मीडिया के माध्यम से सराहना भी कर रहे हैं।

नपाध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर ने 'हरिभूमि' से बात करते हुए बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा उनकी पहली प्राथमिकता थी। इसके लिए सीवन नदी पुल पर दोनों तरफ नल लगवाए गए, जिससे श्रद्धालु नदी में उतरे बिना ही जल भर सकें। इससे सुरक्षा भी सुनिश्चित हुई। इसके अलावा महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीवन नदी तट पर अस्थाई चेंजिंग रूम बनाए गए, जिससे उन्हें कपड़े बदलने में आसानी हुई।

विश्राम के लिए व्यापक इंतजाम

नपाध्यक्ष श्री राठौर ने बताया कि श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए भी व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं। नदी घाट पर एक बड़ा टेंट लगाया गया, जहां रात के समय कांवडियों ने आराम किया। साथ ही नपा ने अपने रैन बसेरा और यहां तक कि खुद के कार्यालय को भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया, ताकि वे सुरक्षित और आरामदायक तरीके से रात बिता सकें।

कांवड़ यात्रा में शामिल 8 डीजे पर एफआईआर तेज आवाज और जाम के बीच पुलिस का एक्शन

सीहोर। सीहोर में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा में शामिल 8 डीजे संचालकों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। तेज आवाज में डीजे बजाने, ध्वनि प्रदूषण फैलाने और हाईवे पर यातायात बाधित करने के आरोप में कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। ये सभी डीजे देशभर से सीहोर पहुंचे थे।

डीजे की आवाज से दहला सीहोर, श्रद्धालु परेशान

यात्रा के दौरान डीजे संचालकों ने निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा वॉल्यूम पर साउंड सिस्टम बजाया। इसके चलते श्रद्धालुओं को असुविधा हुई और हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाएं चरमरा गईं। प्रशासन ने शुरुआत में कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन अब पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है।

सीएम की पहली प्राथमिकता थी साउंड नियंत्रण

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शपथ लेते ही साफ कर दिया था कि प्रदेश में कहीं भी तेज आवाज में डीजे या लाउडस्पीकर नहीं बजेंगे। धार्मिक आयोजनों में भी साउंड सिस्टम नियंत्रित रखने के निर्देश दिए गए थे। सीहोर की यह कार्रवाई सरकार की उसी नीति का हिस्सा है।

इनके डीजे वाहनों में तय मानक से बड़े साउंड सिस्टम लगे थे, जिससे न केवल ध्वनि प्रदूषण फैला, बल्कि कांवड़ यात्रा की पवित्रता भी प्रभावित हुई।

देशभर से आए थे डीजे ऑपरेटर

जिन डीजे ऑपरेटरों पर केस दर्ज किया गया है, उनमें शामिल हैं: त्रिनेत्र डीजे, गुजरात, कसाना डीजे उत्तर प्रदेश, नटराज डीजे, भोपाल, बाबा डीजे सीहोर, धुमाल डीजे झारखंड, प्रशांत डीजे महाराष्ट्र, पावर जोन डीजे छत्तीसगढ़, एमजे साउंड मेरठ।

मौतें और अव्यवस्थाएं बनीं बड़ी चिंता : दो दिन में यात्रा से जुड़े 7 श्रद्धालुओं की मौत ने आयोजन की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। भीड़ नियंत्रण, प्राथमिक चिकित्सा और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव साफ देखा गया। लेकिन आज तक आयोजन के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिस टीम की कार्रवाई, डीजे जप्त

पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देशन में कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र यादव और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी 8 डीजे वाहनों को जप्त किया। कार्रवाई में निरीक्षक, एसआई, एएसआई और आरक्षकों की अहम भूमिका रही।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे राजस्व अधिकारी

8 करोड़ की लागत से बने नए तहसील भवन में धरना प्रदर्शन का श्री गणेश...

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला मुख्यालय पर आठ करोड़ रुपए की लागत से बने चमचमाते तहसील भवन में बीते कुछ दिनों पहले ही कामकाज की शुरुआत हुई है इसके साथ ही नए भवन में धरना प्रदर्शन का भी श्री गणेश हो गया है। यह धरना प्रदर्शन किसान या आम आदमी ने नहीं, बल्कि राजस्व अधिकारियों द्वारा किया गया है। गुरुवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व अधिकारियों ने धरना प्रदर्शन कर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के नाम ज्ञापन सौंपा है।

राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर.न्यायिक विभाजन के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत जिले के सभी तहसीलदारों ने जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में जिले की आष्टा, बुदनी, भैरुंदा, इछावर, जावर, रेहटी, सीहोर, श्यामपुर और नसरुल्लागंज तहसील के राजस्व अधिकारी शमिल हुए। धरना प्रदर्शन में बैठे अधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि सरकार द्वारा राजस्व अधिकारियों को न्यायिक और गैर.न्यायिक दो वर्गों में बांटने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पूरा संवर्ग हतोत्साहित है। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें मौखिक रूप से यह आश्वासन दिया गया था कि यह योजना केवल 12 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू होगी, लेकिन इसके विपरीत यह योजना कई अन्य जिलों में भी लागू कर दी गई है। राजस्व अधिकारियों ने मांग की है कि इस विभाजनकारी योजना को तुरंत निरस्त किया जाए और अधिकारियों को उनके मूल राजस्व कार्यों से अलग न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं वे आपदा प्रबंधन कार्यों को छोडक़र अन्य सभी कार्यों से विरत रहेंगे। इस दौरान सभी अधिकारियों ने अपने सरकारी वाहन जमा करा दिए हैं और अपने डिजिटल सिग्नेचर के डोंगल भी सीलबंद कर जिला अध्यक्ष को सौंप दिए हैं। राजस्व अधिकारियों ने बताया कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार इस योजना को पूरी तरह वापस नहीं ले लेती।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही हैं अनेक गतिविधियां

सीहोर। शासन के निर्देशानुसार 2 से 15 अगस्त 2025 तक तीन चरणों में ₹हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान₹ चलाया जा रहा है। यह एक राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम है। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीयता का भाव व राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है।

इस अभियान के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों, अशासकीय एवं शासकीय संस्थाओं के छात्र-छात्राओं एवं समस्त स्टॉफ की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए देशभक्ति को प्रेरित करने तथा स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के तहत गांवों में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। अभियान के तहत 7 अगस्त को जिले में अनेक स्थानों पर तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण तथा तिरंगा बुनाई सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की गई।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

सीहोर। वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जलजनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियाँ और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें। स्वास्थ्य विभाग एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सदैव ताजा पका हुआ भोजन एवं स्वच्छ खाद्य वस्तुओं का ही सेवन करें।

मेले के माध्यम से रोजगार पाने करने का सुनहरा अवसर

सीहोर। डॉ अम्बेडकर शास. महिला आईटीआई में 12 अगस्त को सुबह 11 बजे से सायं 4 बजे तक अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजन किया जा रहा है। जिसमे अप्रेन्टिसशिप प्रदाय करने वाली विभिन्न कम्पनियों को आमंत्रित किया गया है। डॉ अम्बेडकर शास. महिला आईटीआई के प्राचार्य श्री पी एस उइके ने बताया कि अप्रेन्टिसशिप के लिए 10 वी पास, 12वी पास एवं आईटीआई पास जो छात्र/छात्राय अप्रेन्टिसशिप / रोजगार पाने के इच्छुक है। वे अपना रजिस्ट्रेशन अप्रेन्टिसशिप पजीयन के लिए क्यू कोड के माध्यम से पंजीयन कर सकते है अथवा शास महिला आईटीआई सीहोर में उपस्थित हाकन दस्तावेज सत्यापित करवाकर साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं।

अतिथि व्याख्यान के लिए 10 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सीहोर। सीहोर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जनभागीदारी समिति के तहत अध्यापन व्यवस्था के लिए स्थानीय रिसर्च स्कॉलर से मानसेवी आधार पर विभिन्न विषयों जैसे हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, वाणिज्य, फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, एक्वाकल्चर, बायोटेक और कंप्यूटर साइंस के लिए अंशकालीन अतिथि व्याख्यान के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित विषय में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर तथा नेट, सेट अथवा पीएचडी होना चाहिए। यह आमंत्रण आधारित व्यवस्था पूर्णता अस्थाई है तथा शासकीय सेवा का भाग नही है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित, मातहतों को जारी किए गए निर्देश

लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर की जाए कार्रवाई : कलेक्टर

दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात को सुगम बनाने के लिए उठाएं प्रभावी कदम - कलेक्टर बालागुरु के.

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात को सुगम बनाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वाहनों की ओवर स्पीडिंग रोकने के लिए हाईवे के टोल नाको के पास स्पीड राडार गन द्वारा वाहनों पर कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही रोड़ निर्माण एजेंसी जिले की सभी सड़कों का सर्वे करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी सड़कों पर संकेतक लगे हों और पुल एवं पुलिया क्षतिग्रस्त स्थिती में न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी जलमग्नीय पुल एवं पुलियों पर वर्षा ऋतु के दौरान बैरिकेडिंग की जाए और संकेतक लगाए जाएं। इसके साथ ही निगरानी के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीहोर नगर में अतिक्रमण वाले स्थानो पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए ताकि यातायात संचालन में बाधा उत्पन्न न हो।

कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वाहन चालको के लिए नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किए जायें। उन्होंने कहा कि यातायात निमयों के बारे में नागरिकों को जागरूक किया जाए ताकि वे इन नियमों को समझते हुए इनका कढ़ाई से पालन कर सकें।

उन्होंने निर्देश दिए कि लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निरंतर वाहनों की चेकिंग की जाएं और चालानी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएं और हेलमेट न लगाने पर चालानी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुओं के रोड़ पर होने से वाहन दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते पशुओं को सड़क से हटाकर गौशालाओं में छोड़ा जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, दुर्घटना में घायलों की जान बचाने तथा शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने के लिए राहवीर योजना संचालित की जा रही है। दुर्घटना में घायल होने के बाद घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से पुलिस द्वारा पूछताछ नहीं की जायेगी।

जान बचाने पर संबंधित व्यक्ति को 25 हजार रुपये का पुरस्कार कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति के निर्णय के पश्चात दिया जायेगा। बैठक में ईपीडब्ल्यूडी के बीएल अहिरवार, ईपीडब्ल्यूडी बुधनी के आरपी गुप्ता, आरटीओ रीतेश तिवारी, एमपीआरडीसी के एसडीओ संजीव जैन, यातायात पुलिस एसआई बृजमोहन धाकड़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शारीरिक व मानसिक क्लेशों से मुक्त कर उत्तम सुखों की प्राप्ति कराता है धर्म

सीहोर। मुनिश्री अक्षय सागर महाराज और ऐलक उपशम सागर महाराज चातुर्मास प्रवास पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्थित छावनी संत भवन में विराजमान हैं। मुनिश्री अक्षय सागर के सानिध्य में हर दिन सुबह श्रीजी का अभिषेक होता है। ऐलक उपशम सागर महाराज के मुखारविंद से अखंड शांति धारा, नित्य पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। श्रद्धालु धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं।

मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा में मुनिश्री अक्षय सागर महाराज आचार्य श्री समंतभद्र विरचित रत्नकरण्डश्रावकाचार ग्रंथ का वाचन कर रहे हैं। संस्कृत में रचित इस ग्रंथ का हिंदी में अनुवाद कर हर एक श्लोक के एक-एक शब्द पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को समझा रहे हैं।

मुनिश्री ने कहा कि आचार्य श्री ने उस यथार्थ धर्म का प्रतिपादन किया है, जो कर्मों का नाश करता है, बाधाओं से मुक्त करता है और कल्याणकारी है। यह धर्म सभी प्राणियों को शारीरिक और मानसिक क्लेशों से मुक्त कर उत्तम सुखों की प्राप्ति कराता है। धर्म के लक्षण बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र ही धर्म है। मिथ्या दर्शन, मिथ्या ज्ञान और मिथ्या चारित्र अधर्म है। ये प्राणी को सांसारिक दुखों में फंसाते हैं।

मुनिश्री अक्षय सागर की आहार चर्या हुई धर्मसभा के समापन पर श्रावक-श्राविकाओं ने जिनवाणी स्तुति का गायन कर धर्म लाभ अर्जित किया। इसके बाद मुनिश्री अक्षय सागर की आहार चर्या विधि संपन्न कराने का सौभाग्य भी श्रावक-श्राविकाओं को मिल रहा है। दोपहर में स्वाध्याय और धार्मिक शिक्षण कक्षा में श्रद्धालु ज्ञानार्जन कर रहे हैं। संध्या को गुरु भक्ति, संगीत मय भजन-कीर्तन कर भगवान का स्मरण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को किया पुरस्कृत

पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

पंचायतीराज मंत्रालय के निर्देशानुसार समग्र विकास के प्रदर्शन के मापक के रूप में पंचायत उन्नति सूचकांक पाई 1.8 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पाई 1.8 (पंचायत उन्नति सूचकांक) के अंतर्गत 09 थीम में सर्वोच्च कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। इन 20 ग्राम पंचायतों में सबसे बेहतर प्रदर्शन ग्राम पंचायत मोगरा ने किया है। इसके साथ ही कार्यक्रम में जिले की सभी ग्राम पंचायतों की रैंकिंग स्थिति पर भी थीमवार चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी प्रतिनिधि अपनी ग्राम पंचायतों को तेजी विकसित करने और राज्य स्तर पर और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि न सिर्फ पंचायत उन्नति सूचकांक के लक्ष्यों को पाया जा सके, बल्कि ग्राम पंचायतों को विकसित भी किया जा सके। कार्यशाला में प्रशिक्षक द्वारा ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव और जीआरएस सहित अधिकारियों को पाई 2.0 पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और अपने ग्रामीण क्षेत्र को विकसित बनाने सबंधी अनेक बिंदुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इन ग्राम पंचायतों को किया गया पुरस्कृतः कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मोगरा, सिद्दीकगंज, जोगला, बावरी, मुगली, रिठवाड़, गोपालपुर, जाफराबाद, खाड़ी, बकतरा, मेतवाड़ा, जैत, मैना, भोनरा, हाथीघाट, अकोला, बोरी, खोहा, धामंदा, होलीपुरा को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत होने वाली पंचायतों में प्रथम 10 ग्राम पंचायतों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया तथा 11 से 20 तक की रैंक वाली ग्राम पंचायतों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

क्या है पंचायत उन्नति सूचकांक : पंचायत उन्नति सूचकांक (पाई) एक बहु-आयामी और बहु-क्षेत्रीय सूचकाक है, जिसका उपयोग पचायतों के समग्र, समावेशी विकास, प्रदर्शन और प्रगति का मूल्याकन करने के लिए किया जाता है। यह सूचकांक पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्थानीय समुदायों की समृद्धि और विकास की स्थिति को समझने के लिए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों और मापदंडों पर केंद्रित होता है। आमतौर पर यह सूचकांक सड़क, बिजली, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा, साक्षरता दर, विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, आय स्तर, रोजगार के अवसर, कृषि उत्पादकता, स्थानीय आर्थिक गतिविधियाँ, गरीबी की दर, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन, जीवन में समग्र गुणवत्ता, स्थानीय शासन की दक्षता और पारदर्शिता, सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी और नागरिकों की भागीदारी, पर्यावरण संतुलन, संरक्षण तथा सतत विकास से संबंधित उपायों को शामिल करना आदि प्रमुख पहलुओं पर आधारित है।

पंचायत उन्नति सूचकांक पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में किन बातों पर सुधार की जरूरत है, यह समझने में जनप्रतिनिधियों, नीति बनाने वालों, सरकारी विभागों और स्थानीय अधिकारियों की मदद करता है। यह सूचकांक यह बताता है कि कहाँ-कहाँ विकास में कमी है, कहाँ लक्ष्य पूरे हो रहे हैं और किन क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसके आधार पर योजनाएं बनाई जा सकती हैं ताकि गांवों में रहने वाले लोगों का जीवन बेहतर हो सके।

रोजगार गारंटी परिषद के सिस्टम एनालिस्ट ने ग्राम रिचड़िया का किया निरीक्षण

सीहोर। एक बगिया मां के नाम परियोजना के तहत राज्य रोजगार गारंटी परिषद के सिस्टम एनालिस्ट ओवैस अहमद द्वारा आष्टा जनपद के ग्राम रिचड़िया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना के तहत कृषि सखियों को सिपरी सॉफ्टवेयर ऐप के संचालन में आ रही समस्याओं का निदान किया और उन्हें ऐप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एक बगिया मां के नाम परियोजना का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधारोपण करना है। इसके तहत सिपरी सॉफ्टवेयर ऐप के माध्यम से जिले के अलग-अलग स्थानों पर भूमि एवं हितग्राहियों का सर्वे कर चयन किया जा रहा है और भूमि तथा हितग्राहियों का चयन कर एनआरएलएम और मनरेगा द्वारा अधिक से अधिक फलदार पौधे रोपित किए जाएंगे। इसके लिए कृषि सखियों एवं स्व सहायता समूह की दीदियों के खेतों को चयनित किया जाएगा। इसमें स्व सहायता समूह की महिलाओं को लाभ होगा।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय में छात्राओं बनाई रंगोली

भैरुंदा। प्रदेश शासन के निर्देश अनुसार 2अगस्त से 15 अगस्त तक प्रदेशभर हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा इसी के तहत भैरूंदा नगर परिषद द्वारा शासकीय महाविद्यालय में अभियान चलाया। इस दौरान छात्राओं ने रंगोली बनाकर अभियान की शुरूआत की। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज का चित्र बनाकर जागरूकता किया गया। इस अभियान में नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने छात्र , छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज ,राष्ट्रीय पर्व एवं देश की सेवा के लिए समर्पित सहित जानकारी साझा की। सभी छात्र, छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के बारे में बताया गया। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर , स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के जन भागीदारी अध्यक्ष प्रतिनिधि पारस वर्मा , वार्ड पार्षद मेहरबान सिंह सराठे ,महाविद्यालय के प्राचार्य, श्याम सिंह मीणा , नगर परिषद् सीएमओ आर पी भावरे एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

महिला को इशारे करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बुधनी। शाहगंज थाना अंतर्गत कुसुम खेड़ा चौराहे के पास बस का इंतजार कर रही महिला से गंदे इशारे एवं छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को मामले में फरियादी द्वारा की गई शिकायत पर शाहगंज पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया और एसडीओपी रवि शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी दिनेश सिंह चौहान द्वारा एक टीम का गठन किया मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आरोपी सोनू गुर्जर पुत्र प्रेम सिंह गुर्जर उम्र21वर्ष निवासी दूध खेड़ी जिला भोपाल को अभीरक्षा में लेकर पूछताछ की जिस पर उसने अपराध कार्य करना स्वीकार किया।

व्याख्यान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्नोत्तर सत्र में अनेक जिज्ञासाएं की व्यक्त

सांदीपनि विद्यालय भैरूंदा में स्व-प्रबंधन, तनाव प्रबंधन और समय प्रबंधन कौशल पर अतिथियों ने दिया व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

शासन द्वारा संचालित व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय भैरूंदा में रिटेल ट्रेड विषय के विद्यार्थियों के लिए स्व-प्रबंधन, तनाव प्रबंधन एवं समय प्रबंधन कौशल पर विशेष अतिथि व्याख्यान रखा गया, जिसमे अतिथि वक्ता बी.के. नेहा लखेरा ने कक्षा 9वी से 12वी तक के विद्यार्थियों को बताया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सफलता पाने के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन कौशल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्व-प्रबंधन को लक्ष्य निर्धारण की कुंजी, तनाव प्रबंधन को मानसिक संतुलन बनाए रखने का साधन और समय प्रबंधन को सफलता का आधार बताया।

उन्होंने समझाया कि जब हम स्वयं के विचारों, भावनाओं और आदतों को नियंत्रित करना सीखते हैं, तो वही स्व-प्रबंधन कहलाता है। लेकिन यह तभी संभव हो पाता है जब हम अपने समय का सही उपयोग करना जानते हों। यदि हम बिना योजना के दिन बिताते हैं, तो कार्यों का बोझ बढ़ता है, जो सीधे तौर पर तनाव को जन्म देता है। अतः समय का विवेकपूर्ण नियोजन ही आत्म-नियंत्रण की दिशा में पहला कदम है। बीके नेहा ने इन तीनों विषयों को एक सूत्र में पिरोते हुए कहा कि जो समय पर नियंत्रण नहीं करता, वह स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख सकता और जो स्वयं पर नियंत्रण नहीं रखता, वह तनाव का शिकार हो जाता है। उन्होंने कहा की विपरीत परिस्थितियों तो सभी के पास आती है लेकिन कई व्यक्ति परिस्थिति को हंसते-हंसते इसे चुनौती लेकर पार कर लेते हैं ओर कई उस स्थिति मे तनाव लेकर मानसिक रूप से टूट जाते हैं, तो इससे सिद्ध होता है कि तनाव व्यक्ति के मन के ऊपर निर्भर करता है, और मन को स्वस्थ,शांत, सशक्त बनाये रखने के लिए सकारात्मक सोच के साथ प्रतिदिन ध्यान, योगासन, प्राणायाम,खेल, गहरी नींद वा प्रातः सैर आवश्यक है। साथ ही, समय प्रबंधन के व्यावहारिक उपाय जैसे कि कार्यों की प्राथमिकता तय करना, योजनाबद्ध दिनचर्या अपनाना, लक्ष्य निर्धारण और मोबाइल/सोशल मीडिया पर नियंत्रण जरूरी है।

छात्र-छात्राओं ने व्याख्यान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रश्नोत्तर सत्र में अनेक जिज्ञासाएं व्यक्त कीं, जिनका समाधान वक्ता द्वारा सरल एवं प्रेरक उदाहरणों द्वारा किया गया।

प्राकृतिक समावेश से निर्मित राखी को मिला प्रथम पुरुस्कार

सीहोर। नवाचार के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान बनाने वाले शासकीय माध्यमिक शाला कोडियाछीतू में रक्षा बन्धन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में गुरुवार, 7 अगस्त को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागी बच्चों द्वारा आकर्षक राखियाँ बनाई गई। प्रतियोगिता में शिक्षिका शशिवाला नामदेव, मंजु राठौर एवं मधुजोशी द्वारा निर्णायक की भूमिका निभाते हुए कक्षा 1 से 5 तक तथा कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्रदान किया। जिसमें कक्षा 7 वी के आरिश द्वारा प्राकृतिक समावेश कर शुन्य निवेश कर बनाई गई आकर्षक राखी को प्रथम पुरुस्कार प्रदान किया गया, चुकि यह राखी पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करती है। इसी प्रकार अन्य बच्चों द्वारा भी कागज, धागे, बिन्दी, मोती, ऊन, गत्तों से युक्त आर्षक राखियाँ बनाई। प्रधानाध्यापक संजय सक्सेना ने सभी बच्चों को शुभकामनाऐं देते हुए बताया कि शाला के प्रतिभागी बच्चों को आगामी 15 अगस्त पर शाला में आयोजित कार्यक्रम में पुरुस्कृत किया जायेगा। शाला में दर्ज 182 बच्चों में से 36 बच्चों द्वारा आर्षक राखियाँ बनाई तथा इन राखियों को बनाने के प्रक्रिया को अन्य सभी बच्चों को राखी बनाने की अपनी विधि को बताया जिससे कि बच्चों में आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिले और अगले वर्ष आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अधिक से अधिक बच्चे भाग ले सके। बच्चों को सभी कक्षा अध्यापकों ने अपनी-अपनी कक्षा में उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये प्रेरित किया। बच्चों द्वारा कम समय में आकर्षक राखियाँ बनाने पर उनके अन्य साथियों द्वारा करतल ध्वनि बजाकर प्रोत्साहित किया।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे पहले शुभम वर्मा पुत्र श्री विनय वर्मा निवासी कलार मोहल्ला कस्बा सीहोर तहसील व जिला सीहोर के नाम से जाना व पहचाना जाता था जबकि मेरा वास्तविक नाम शुभम श्रीवास्तव पुत्र श्री विनय वर्मा है। अतः भविष्य में मुझे शुभम श्रीवास्तव पुत्र विनय वर्मा के नाम से जाना व पहचाना जावे।

सर्वसाधारण को सूचित होवे।
भवदीय, शुभम श्रीवास्तव पुत्र विनय वर्मा

थंब लगवा लिया और राशन नहीं दिया, सैकड़ों हितग्राही हो रहे परेशान

'साहब' हमारा 3 माह का राशन दिला दो गेहूं-चावल छोड़िए, नमक भी नहीं नसीब

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ-ब्यावरा

केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को भेजा गया तीन महिनों के राशन पर भी अधिकारियों की मिलीभगत से दुकानदारों ने ग्रहण लगा ही दिया। मई माह में जून,जुलाई व अगस्त का आवंटन राशन दुकानदारों तक पहुंचाना सुनिश्चित करना और उसे जून में ही बटवाना अधिकारियों की प्राथमिकता थी परंतु लापरवाही एवं मनमानी के चलते गरीब हितग्राहियों को नजर अंदाज करते हुए वितरण 6 अगस्त तक भी जारी रहा।

इसमें हैरत की बात यह है कि जब आपूर्ति विभाग को मुख्यमंत्री मोहन यादव के दौरे का पता चला तो आनन-फानन में राशन दुकानों में पीओएस मशीन में दिख रहे स्टॉक को खत्म करने की कबायत पिछले तीन दिनों से लगातार चल रही है। जिससे यदि कहीं मंच से मुख्यमंत्री इसके बारे में पूछ लें तो हम शत-प्रतिशत आवंटन और वितरण का कहकर पल्ला झाड सकते है। इसी तरह जिले भर में पीओएस मशीनों से कोरोना के समय का बताकर 5 हजार टन से ज्यादा राशन हटा दिया गया जिसका कोई प्रमाणिक आधार आपूर्ति विभाग के पास नहीं हैं।

5 हजार टन राशन पीओएस मशीनों से हटाया ▶ जून,जुलाई अगस्त के आवंटन का अधिकारी नहीं करा पाए समय पर वितरण

हकीकत यह कि थंब लगवा लिया और नहीं दिया राशन

मुख्यमंत्री के 7 अगस्त के दौरे की पुष्टि होते ही आपूर्ति विभाग के जिला अधिकारी सहित जूनियर अधिकारी एक जगह की पीओएस मशीन जिसमें राशन बचा हुआ था उसे दूसरी दुकान जहां पर राशनपर ले जाकर बचे हुए सैकडों हितग्राहियों को राशन का कहकर उनका अगूंठा लगवा लिया एवं राशन नहीं दिया गया। जिससे अधिकारियों के पूछे जाने पर शत प्रतिशत राशन वितरण बताया जा सके। इस पर जब राशन दुकानदारों से पूछा गया तो उन्होने आवंटन न होने की बात कही।

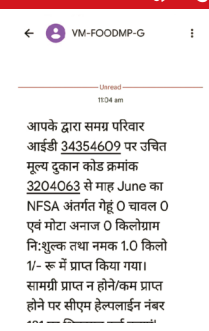

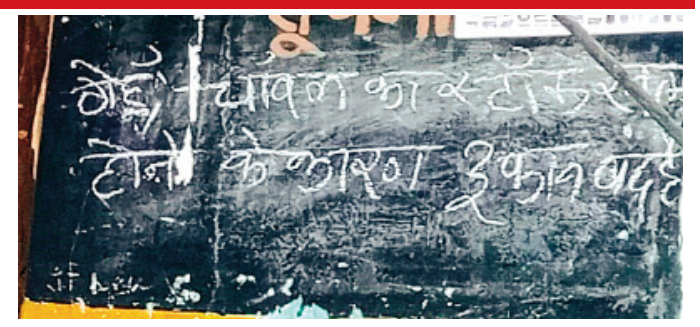

जिला आपूर्ति अधिकारी बोले- 2 दिन और इंतजार कर लो

जब बारे में जब जिला आपूर्ति अधिकारी अजीत सिह से बात की गई और बताया गया कि सिर्फ एक ही राशन दुकान से लगभग 150 के लगभग हितग्राही तीन माह के राशन से आज भी बंचित है और दुकानदार ने हमसे थंब लगवाकर राशन दो-तीन दिन बाद देने का बोला है। इस पर अजीत सिंह ने कहा कि दो दिन और इंतजार कर लो फिर मुझे बताना। इस तरह से जेएसओ स्वाती वायकर और डीएसओ अजीत सिंह का रवैया गरीब हितग्रारहियों के प्रति कितना जबावदेही है यह समझा जा सकता है।

व्रत व उपवास भी एक चिकित्सा पद्धति हैः मुनिश्री दुर्लभ सागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरोन

आप जैसा अपने शरीर को बनाओगे वैसा ही यह शरीर बन जाता है। हम जैसा इस शरीर को ढालना चाहेंगे यह शरीर वैसा ही ढलता जाएगा। इस शरीर को जितना आहार हम दे रहे हैं इस शरीर को उतने भोजन की भी आवश्यकता नहीं होती है। जब तक हम अपने मन को मजबूत नहीं करेंगे तब तक हमें ऐसा लगेगा कि हम एक समय भी भोजन नहीं करेंगे तो हमारा शरीर काम नहीं करेगा अथवा हमारे शरीर में कमजोरी आ जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं होता है। जब भी अष्टमी और चौदस की तिथि आए तो आपको एकासन अथवा उपवास जरूर करना चाहिए। एकासन और उपवास के माध्यम से भी चिकित्सा की जाती है। इस प्रकार की धर्मदेशना पूज्य मुनि श्री दुर्लभ सागर जी महाराज ने 32 दिवसीय संवेग वैराग्य शिविर की शुरुआत से पहले श्रावकों के मानस को तैयार करते हुए दी। मुनि श्री दुर्लभ सागर जी महाराज ने अपने दीक्षा गुरु आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का प्रसंग का उदाहरण देते हुए कहाकि आचार्य श्री ऐसा कहा करते थे कि उपवास एक चिकित्सा है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को जब जब कोई पीढ़ा होती थी तो आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज तब तब उपवास किया करते थे। और उपवास के माध्यम से उनका रोग हमेशा ठीक भी हो जाया करता था।मुनि श्री ने कहाकि पंचम काल में मोक्ष तो नहीं होता है लेकिन पंचम काल में उत्कृष्ट चर्या वाले मुनि भी होते हैं। और चतुर्थ कालीन चर्या के साधु परमेष्ठि की बात करते हो तो चतुर्थ कालीन श्रावकभी बनो। और हम आपको चतुर्थ कालीन श्रावक बनाने ही आए हैं।

मरीज के पिता ने कहा- भर्ती करते समय पीलिया 8.21 और 6 दिन दवा लेने के बाद बढ़कर हुआ 17.44 प्रतिशत

नहीं मिला सही उपचार बढ़ाया मर्ज, डॉ दांगी पर लापरवाही करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

सिविल अस्पताल ब्यावरा में उपचार के नाम पर मासूमों के जीवन से खिलबाड़ करते डॉक्टर मिलना आम बात हो चली है प्रशासनिक सिस्टम का फेलुअर इस तरह है कि न कोई सुनने वाला न ही इसके सुधार की गुंजाइश ही नजर दिखाई दे रही है। ताजा मामला शासकीय अस्पताल ब्यावरा के डॉ लखन दांगी से संबंधित है जिसमें एक 11 साल के मासूम को पीलिया के लिए भर्ती किया तो उस समय की गई जांच में पीलिया 8ण्21 प्रतिशत था इसके बाद 6 दिन तक डॉ दांगी का उपचार चलने के बाद पीलिया कम होने के बजाय बढकर 16ण्44 प्रतिशत हो गया। जिसमें मासूम दिलशान की तबीयम बिगडती चली गई और उसकी आखों में पीलापन बहुत ज्यादा बढ गया तब उसके पिता अमीन खान ने दूसरे डॉक्टर से सलाह ली तो पता चला की दिए गए उपचार में पीलिया का उपचार था ही नहीं। ऐसे हालातों में जीने को मजबूर हैं शहरवासी। मासूम की हालात बिगडने पर प्रायवेट हॉस्पिटल में भेजना कहां तक सही है इसके बाद पिता ने जब हंगामा किया तो फिर डॉ बीएम गुप्ता ने बच्चे का उपचार शुरू किया एवं पूर्व से चल रहा डॉ लखन दांगी का उपचार बंद करवाया तब कहीं जाकर मासूम की हालात में सुधार आना शुरू हुआ।

मासूम के हालात बिगड़ते देख भोपाल के प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाने की दी सलाह

जब डॉ लखन दांगी ने मासूम की हालात बिगडती देखी तो उन्होने पिता आमीन खान को प्रायवेट नर्सिंग होम भोपाल में ले जाकर इलाज करवाने को कहा जिसके लिए उन्होने बकायदा डॉक्टर के नंबर भी पिता को पर्चे पर लिखकर दिए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी डॉक्टर किस तरह प्रायवेट हॉस्पिटल के लिए काम करते है। क्या विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इन पर लगाम लगा पाएगें या फिर इसी तरह का दर्रा चलता रहेगा।

डॉ लखन दांगी ने सभी जाचें अस्पताल के बाहर से करवाई

मरीज भले ही सिविल अस्पताल ब्यावरा में भर्ती था परंतु डॉ लखन दांगी की कमाई की सुई लगातार चालू थी जिसमें वह अंदर भर्ती मासूम मरीज दिलशान की जाचें भी बाहर की फिक्स पैथालॉजी से करवा कर मंगा रहे थे जिसमें 6 दिन में लगभग 7 हजार की जांचे करवाई गई और बच्चें की तबीयत में सुधार भी नहीं आया। एक पिता ने गुहार लगाई है कि इस तरह के डॉक्टर से अपने बच्चों को बचाएं।

इनका कहना है

आप मुझे इसकी पूरी जानकारी लिखकर भेजिए मैं दिखवा लेती हूं
डॉ शोभा पटेल ,सीएमएचओ राजगढ़

पीएम श्री सुठालिया में साइकिल वितरण के कार्यक्रम का आयोजन

सुठालिया। बुधवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुठालिया एवं पीएम श्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुठालिया में साइकिल वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां शारदे की पूजा और वंदना से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्य मंत्री महोदय नारायण सिंह पंवार के प्रतिनिधि के रूप में मोहन पंवार, विशेष अतिथि चंदरसिंह सौंधिया जिला पंचायत अध्यक्ष, अन्य जनप्रतिनिधि के रूप में बद्रीलाल यादव पूर्व राज्य मंत्री, अमित शर्मा जिला महामंत्री, जगदीश पंवार जिला उपाध्यक्ष ,इंदरसिंह लववंशी श्यामसिंह सौंधिया मंडल अध्यक्ष, नारायण सिंह सालरियाखेडी ,मानसिंह टोका, अशोक अग्रवाल, शिक्षा विभाग के अधिकारी दिलीप शर्मा बीईओ ब्यावरा एवं जीके दुबे बीआरसी ब्यावरा की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिलें वितरित की गई ।

अभाविप पदाधिकारियों ने आरोप लगाते हुए सौंपा ज्ञापन

निजी कॉलेजों में एडमीशन के बाद सिर्फ परीक्षा देने पहुंचते हैं विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

जिले के विभिन्न अशासकीय महाविद्यालयों में व्याप्त अनियमितताओं और अव्यवस्थाओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सामने आई है। परिषद के पदाधिकारियो ने लीड कॉलेज प्राचार्य विपिन बिहारी खरे को ज्ञापन सौंपकर इन कॉलेजों में चल रही धांधलियों से अवगत कराते हुए सभी कॉलेजों की जांच की मांग रखी।

एबीवीपी के विभाग संयोजक अमन व्यास एवं जिला संयोजक शुभम शर्मा द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में ज्ञापन में आरोप लगाया गया की डी.एड/बी.एड. की मान्यता प्राप्त अधिकांश निजी कॉलेजों में जिले से बाहर के विद्यार्थियों के एडमिशन हैं। ये विद्यार्थी नियमित रूप से महाविद्यालय में उपस्थित नहीं होते हैं और केवल परीक्षा के समय आते हैं। इस तरह शासन की सभी योजनाओं का लाभ फर्जी तरीके से लिया जा रहे है। इसके साथ ही निजी कॉलेजों में पढ़ाने वाले स्टाफ के नाम रजिस्टर में तो दर्ज रहते हैं लेकिन, असल में वे कॉलेजों में कार्यरत ही नहीं हैं। विभिन्न अशासकीय महाविद्यालयों में सरकार द्वारा निर्धारित की गई शैक्षणिक फीस तय मापदंडो से अधिक ली जा रही है।

ज्ञापन में यह भी लगाए आरोप

उक्त ज्ञापन में आगे उल्लेख है की अधिकांश निजी कॉलेजों में एक ही परिसर में अनेक विषयों की कक्षाएं संचालित हो रही है, जो नियम विरुद्ध है। साथ की महाविद्यालय परिसर शासन की मान्यताओं के तय मापदंड के अनुसार नहीं है, ऐसे में इनकी जांच कर मान्यता समाप्त की जाए। इन सभी बिंदुओं को संज्ञान में लेकर सभी अशासकीय महाविद्यालयों की जांच 7 दिवस में कराकर उचित कार्रवाई करने मांग अभाविप ने रखी है अन्यथा परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

साकेत एमजीएम में बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन हुआ

विदिशा। साकेत एमजीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में ट्रिनिटी कॉव्वेंट, वात्सल्य पब्लिक स्कूल, साकेत एमजीएम स्कूल, अग्रवाल इंटरनेशनल स्कूल, सेंट मैरी स्कूल, एक्सीलेंस स्कूल, नारायणा स्कूल समेत कई विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला खेल अधिकारी संतोष चतुर्वेदी, ब्लॉक खेल अधिकारी अंबेश सोनी एवं साकेत एमजीएम स्कूल के प्राचार्य बिभास रंजन पाल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में मुकाबले आयोजित किए गए। साकेत एमजीएम परिवार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले अधिकारियों, प्रतिभागी विद्यालयों, प्रशिक्षकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया है।

बैठक में जनपद पंचायत विदिशा और ग्यारसपुर के मुक्तिधामों की समीक्षा

विदिशा। बैठक के दौरान समीक्षा करते हुए जनप्रतिनिधि व अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

बुधवार को जनपद पंचायत विदिशा एवं ग्यारसपुर के मुक्तिधाम की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें जनपद पंचायत सीईओ, सहायक यंत्री, उपयंत्री, सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि जनपद पंचायत विदिशा में 18 ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम का अभाव है। ग्राम पंचायतों में शांति धाम क्षतिग्रस्त स्थिति में हैं।

जनपद पंचायत ग्यारसपुर में 29 ग्राम पंचायतों में शांतिधाम नहीं हैं। 11 ग्राम पंचायतों में शांतिधाम क्षतिग्रस्त हैं। सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शांतिधाम का चबूतरा मात्र 20 बाय 20 फीट का होता है, जिसमें लगभग 8 क्यूबिक मीटर कंक्रीट एवं 850 किलोग्राम स्टील का उपयोग होता है। यह निर्माण कार्य किसी भी पंचायत और वहां के निवासियों के सम्मान व स्वाभिमान का प्रतीक है। जिपं अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी ने अपील करते हुए कहा है कि भूमि की अनुपलब्धता जिन स्थानों पर कार्य में बाधा बन रही है वहां ग्रामीणों को प्रेरित किया जाए कि वे 30 बाय 30 फीट भूमि दान करें ताकि यह सामूहिक पुण्य कार्य शीघ्र पूर्व हो सकें।

बाल कल्याण समिति के प्रयासों के बाद माने परिजन

जेल के वातावरण से दूर नाना-मामा के पास रहेगा 6 वर्षीय बालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

किसी अपराध के चलते सारंगपुर न्यायालय में विचाराधीन मामले में एक 6 वर्षीय बालक अपनी माता के साथ जिला जेल राजगढ़ में रह रहा था। जेल प्रबंधन के नियमों के अनुसार 6 वर्ष से अधिक के बालक को जेल में नहीं रख सकते। ऐसे में न्यायालय ने बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष साकेत शर्मा को पत्र जारी करते हुए बालक को समिति के संरक्षण में रखने हेतु लेख किया। इस बालक के अन्य परिवारजन जो जेल के बाहर थे, वे भी उसे अपने साथ रखने के लिए तैयार नहीं थे। वहीं, जेल में निरुद्ध उसकी माता भी नन्हें बच्चे को अपने से दूर नहीं करना चाहती थी। इस दुविधापूर्ण विषम परिस्थिति को देखते हुए समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा सहित सदस्यगण सुरेश चंद्रवंशी, रिंकू सुनेरी, नीलेश मालवीय जिला जेल पहुंचे और जेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी को पूरा विषय बताया। समिति सदस्यों ने जेल में निरुद्ध माता को समझाया कि यहां के वातावरण में आपको नन्हें बच्चे को नहीं रखना चाहिए। लेकिन, बालक की मां नहीं मानी क्योंकि वो अपने जिगर के टुकड़े को अपने से दूर नहीं रखना चाहती थी। ऐसे में बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चे की मां सहित जेल के बाहर उसके अन्य परिजनों की कई बार काउन्सलिंग करते हुए बालक के सर्वोत्तम हित हेतु उसे जेल से बाहर रखने हेतु प्रेरित किया। अंततः बच्चे की मां सहित उसके मामा व ननिहाल के अन्य लोग माने।

हर दिन संकुल केंद्र में हाजिरी के आदेश से नाराज लटेरी ब्लॉक के सभी जनशिक्षकों ने दिया इस्तीफा

बीआरसी व डीपीसी कार्यालयों की भूमिका को सीमित करने का आरोप लगाया

विदिशा। लटेरी ब्लॉक में जिला शिक्षा अधिकारी के नए आदेश से जन शिक्षकों में आक्रोश फैल गया है। 4 जुलाई को जारी किए गए इस आदेश के अनुसार जन शिक्षकों को अब प्रतिदिन संकुल केंद्र में उपस्थिति दर्ज करानी होगी। साथ ही दो शालाओं का नियमित निरीक्षण भी करना होगा। इस आदेश के विरोध में शुक्रवार को लटेरी ब्लॉक के सभी जन शिक्षक एकत्रित होकर बीआरसी कार्यालय पहुंचे। जन शिक्षकों ने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा सौंप दिया।

प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल शालाओं में भेजें

जन शिक्षकों का आरोप है कि उन पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि बीआरसी और डीपीसी कार्यालयों की भूमिका को लगातार सीमित किया जा रहा है। शिक्षकों ने कहा कि इन परिस्थितियों में वे अपने पद पर कार्य करने में असमर्थ हैं। बीआरसी प्रमोद विश्वकर्मा को सौंपे गए इस्तीफे में जन शिक्षकों ने अपनी मांग रखी है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल शालाओं में वापस भेजा जाए। शिक्षकों का कहना है कि आदेश की आड़ में उनके कार्य क्षेत्र को असंतुलित किया जा रहा है। इससे न केवल उनके कार्यभार में वृद्धि हुई है बल्कि मानसिक दबाव भी बढ़ा है। इस घटनाक्रम के बाद अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं। यह देखना होगा कि प्रशासन इस सामूहिक इस्तीफे और शिक्षकों की मांगों पर क्या कदम उठाता है।

सांड़ों की लड़ाई में फंसी बाइक, पति-पत्नी और मासूम घायल

विदिशा। करारिया चौराहे पर दो सांडों की लड़ाई में एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनकी मासूम बच्ची घायल हो गए। गोवर्धन कुशवाह अपनी पत्नी और बेटी के साथ कुरवाई के फतेहपुर गांव से विदिशा लौट रहे थे। करारिया चौराहे के पास पहुंचने पर अचानक दो सांड आपस में भिड़ते हुए उनकी बाइक तक आ गए। सांडों की चपेट में आने से तीनों को चोटें आई हैं। छोटी बच्ची को सिर और हाथ में गंभीर चोटें लगी हैं। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वर्तमान में जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बेसहारा मवेशियों को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा नहीं होंगी।

नेवज की छोटी पुलिया चौराहे पर रहती है हर दम बदहाल स्थिति

साप्ताहिक हाट-बाजार के चलते 3 घंटे तक जाम में फंसे रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

मुख्यालय पर हर बुधवार लगने वाला साप्ताहिक हाट-बाजार को शहरी सीमा से बाहर लगाने की मांग तेज होती जा रही है। दरअसल, हर बुधवार मेन मार्केट, दशहरा मैदान सहित नेवज नदी की छोटी पुलिया के समीप वाले चैराहे पर घंटों तक जाम लगा रहता है। ऐसे आमजनों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन होने के चलते कल के साप्ताहिक हाट-बाजार के हाल कुछ ज्यादा ही खराब नजर आए। छोटी पुलिया के चैराहे पर दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक करीब तीन घंटे तक जाम लगा रहा और लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे।

दरअसल, तंवरवाड़ क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों के सैकड़ों लोग साप्ताहिक हाट-बाजार में खरीदारी करने सहित अन्य कार्यों से राजगढ़ आया करते हैं। ऐसे में नेवज के छोटे पुल चैराहे पर हर बुधवार जाम लगने की समस्या अब लाईलाज होती जा रही है।

अपने ही नियमों का पालन नहीं करवा पा रही नपा

हाट-बाजार की बदहाल यातायात व्यवस्था को कुछ हद तक खत्म करने करीब डेढ़ साल पहले नगर पालिका ने निर्णय लिया था कि बुधवार को कोई भी सब्जी विक्रेता मेन मार्केट में अपनी दुकान न लगाते हुए दशहरा मैदान स्थित मार्केट दुकान लगाएगा। शुरू-2 में सब्जी विक्रेताओं ने भी इस नियम का पालन किया वहीं चालान कार्यवाही भी देखने मिली। लेकिन अब पुनः हालात उसी ढर्रे पर लौट आए हैं और मेन मार्केट में ही सब्जी की अनेकों दुकानें लगने लगी हैं जिसके चलते टैफिक व्यवस्था बद से बदहाल होती जा रही है।

प्रतियोगिता में छात्रों ने रामचरित्र मानस के प्रसंगों पर चित्र बनाए

विदिशा। तुलसी जयंती पर महारानी अवंतीबाई हायर सेकेंडरी स्कूल मे पंडित गंगा प्रसाद पाठक कला न्यास द्वारा रामचरित्र मानस प्रसंगों पर चित्रकला का आयोजन किया गया। विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षक एवं छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में रामचरित मानस के प्रसंगों पर चित्र बनाए। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 85 छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान भरत लड्ढा, सुनील जैन, अरविंद द्विवेदी, सुदिन श्रीवास्तव, मेहताब सिंह नरवरिया, शारदा लोधी, संगीता मुले, थान सिंह नरवरिया, उमेश शर्मा, मनोज गौर, मधु लोधी, उर्मिला लोधी, दीक्षा तिवारी, रश्मि जैन, संध्या राय मौजूद रहीं। आज 7 अगस्त को दोपहर 12 बजे सनराइजर्स स्कूल में भाषण प्रतियोगिता तथा दोपहर 2 बजे सरस्वती शिशु मंदिर किलेअंदर में अंत्याक्षरी प्रतियोगताओं का आयोजन किया गया है।

खबर संक्षेप

आदर्श ग्राम पंचायत फूडरा में रोपे पौधे

आष्टा। ग्राम पंचायत फूडरा में हरेंद्र सिंह ठाकुर गांव करमनखेड़ी व आजाद समाज सेवा समिति ने अलग-अलग स्थानों पर पौधरोपण किया। समिति अध्यक्ष मनोहर सिंह मालवीय ने बताया कि पौधारोपण से पर्यावरण स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से कई लाभ होते हैं। यह वायु को शुद्ध करते हैं और मिट्टी के कटाव को रोकते हैं।

12 अगस्त को नीलामी बंद रखने दिया आवेदन

आष्टा। उन्नतशील फल, सब्जी मंडी व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र कुशवाह ने स्थानीय कृषि उपज मंडी समिति के नवागत मंडी सचिव नरेन्द्र मेश्राम का स्वागत किया। श्री कुशवाह ने मंडी सचिव श्री मेश्राम को व्यापारियों को आ रही परेशानियों से अवगत कराया। वहीं मंगलवार 12 अगस्त को मुस्लिम समाज की जमात का कार्यक्रम होने के कारण फल सब्जी मंडी का नीलामी काम का अवकाश रखने को कहा। मंडी सचिव श्री मेश्राम ने अध्यक्ष श्री कुशवाह की बातों को गंभीरता से सुना और समझा। उन्होंने आश्वस्त किया कि आपके व्यापारियों की समस्याओं का निराकृत कराने के साथ ही 12 अगस्त को नीलाम कार्य बंद करने की मुनादी कराने की बात कहीं।

भोपाल नाके पर वाहन खड़े होने से दिन में हर कभी लग रहा जाम

सड़क पर खड़े वाहन यातायात को करते बाधित, घंटों जाम में फंसे रहते हैं वाहन

सीएम राइज स्कूल की छुट्टी के समय जाम लगने से हालत ओर ज्यादा होते हैं खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आए दिन वैसे तो शहर के कई मार्ग पर ट्रैफिक बार-बार अवरुद्ध होता है लेकिन भोपाल नाके पर सबसे ज्यादा वाहन चालकों को परेशानी उठाना पड़ती है यहां पर संदीपनी सीएम राइज स्कूल की छुट्टी के समय सबसे ज्यादा ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ती है बुधवार के दिन भी यही स्थिति रही 4 से 5 बजे के बीच करीब 1 घंटा ट्रैफिक रुक-रुक कर चला रहा कोई भी यहां पर ट्रैफिक का जवान नहीं होने कारण परेशानी उठाना पड़ी भोपाल नाके पर चारों ओर कई वाहन भी खड़े रहते हैं जिसके कारण यह स्थिति उत्पन्न होती है।

भोपाल नाके पर आए दिन बिगड़ती है ट्रैफिक व्यवस्था, लोग हो रहे परेशान

दरअसल भोपाल नाके पर दो हाईवे के वाहन गुजरते हैं भोपाल इंदौर मार्ग के अलावा कन्नौद खंडवा मार्ग के वाहन भी इसी चौराहे से गुजरते ऐसे में इछावर मार्ग भी यही से निकलता है व्यस्ततम चौराहा होने से यहां पर ट्रैफिक का अत्यधिक दबाव रहता है इधर नगर पालिका और प्रशासन के लापरवाही से चौराहा सिकुड़ता जा रहा है चारों ओर अतिक्रमण के कारण चौराहा छोटा होकर रह गया है रही सही कसर दो पहिया और चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं ऐसे में जरा सी देर में यहां पर जाम लग जाता है। नागरिक राजू सेन, विनोद चौरसिया ने बताया कि यहां पर इधर-उधर अवस्थित वाहन खड़े रहने से बार-बार जाम लग जाता है खासकर संदीपनी सीएम राइस स्कूल की छुट्टी के समय उस समय तो कम से कम चौराहे पर एक ट्रैफिक जवान तैनात रहना चाहिए। ताकि ट्रैफिक व्यवस्था ना बिगड़े। यातायात चौकी प्रभारी शशिकांत शर्मा ने बताया है कि लगातार वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं। कई वाहन जो रोड पर खड़े रहते हैउन पर चालानी कार्रवाई की जाती है।

रक्षाबंधन पर्व के दो दिन पहले बाजार हुआ गुलजार

यात्री बसों में भी नजर आ रही भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

गुरुवार को शहर के बाजारों में भारी भीड़ रही। राखी बाजार से लेकर सभी बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक देखने को मिला। इधर भोपाल इंदौर मार्ग के अलावा ग्रामीण क्षेत्र के मार्गों पर चलने वाली यात्री बसों में भी रक्षाबंधन पर्व के कारण यात्री बसों में अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। बता दे कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। उससे दो दिन पहले ही बाजार में भीड़ बढ़ गई है। राखी बाजार से लेकर सर्राफा, कपड़ा बाजार में ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा राखी बाजार में बहने राखी खरीददारी के लिए पहुंच रही है। राखी की दुकाने लगाने वाले मनोज यादव ने बताया कि 5 से लेकर 300 तक की राखी इस बार बाजार में अनेक वैरायटी में उपलब्ध है। यात्री बसों में खड़े-खड़े यात्रा करना पड़ा गुरुवार को भोपाल इंदौर मार्ग सहित कन्नौद ,खंडवा ,इछावर सहित ग्रामीण क्षेत्र के मार्गों पर चलने वाली यात्री बसों में पैर रखने की भी जगह नहीं रही। बसों में आष्टा से जाने वाले यात्रियों को खड़े-खड़े यात्रा करनी पड़ी। बता दे की बीते दो दिनों से भी आष्टा के यात्रियों को परेशानी उठाना पड़ी। सीहोर के कुबेश्वर धाम में अत्यधिक भीड़ के चलते बसों में सीट नहीं मिली। यहां तक की अधिकांश बसें आष्टा आई ही नहीं थी और अब राखी का त्योहार ऐसे में त्यौहार नजदीक ऐसे में यात्री बसों में भीड़ बढ़ गई। नागरिक मुकेश ताम्रकार, शैलेश शर्मा ने बताया है कि त्योहारों पर शासन प्रशासन को यात्रियों का दबाव देखते हुए अतिरिक्त बसें चलानी चाहिए ताकि लोगों को परेशानी न हो।

लाड़ली बहनों के खाते में आई योजना की राशि

आष्टा। जिले की 2,43,670 लाड़ली बहनों के खाते में 35 करोड़ 79 लाख रुपए की राशि अंतरित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 01 करोड़ 26 लाख 89 हजार 823 लाड़ली बहनों के खातों में 1 हजार 859 करोड़ 01 लाख 32 हजार 350 रूपये की राशि अंतरित की। इस बार लाड़ली बहनों को नियमित किश्त 1250 रूपये के अतिरिक्त रक्षाबंधन के शगुन के रूप में 250 रूपये भी दिये गए हैं। इस प्रकार प्रत्येक लाड़ली बहना को रक्षाबंधन के पहले 1500 रूपये की राशि अंतरित की गई है। प्राथमिक आंकड़ों के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सीहोर जिले की 02 लाख 43 हजार 670 लाड़ली बहनों के खाते में 35 करोड़ 79 लाख 25 हजार 300 रूपये की राशि अंतरित की है।

राजनीतिक दलों के पदाधिकारी के साथ बैठक में प्रस्तावों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए मतदाता सूचियां के प्रकाशन के पूर्व मतदान केंद्रों के युक्तियुक्त करण के संबंध में तहसील कार्यालय आष्टा के वीसी हाल में राजनीतिक दलों के पदाधिकारी के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

जिसमें निर्वाचन शाखा द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव पर संबंधित पदाधिकारी को जानकारी दी गई। विधानसभा क्षेत्र 157 आष्टा में कुल 35 नए मतदान केंद्र स्थापित किया जाना प्रस्तावित किए गए। जिनमें से 33 मतदान केंद्र 1200 से अधिक मतदाता होने के कारण विभाजित कर नया केंद्र बनाया जाना है। दो मतदान केंद्र अधिक दूरी के कारण मतदाता सुविधा की दृष्टि से नवीन केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में 340 मतदान केंद्र है जो प्रस्तावित संशोधनों के अनुमोदन उपरांत 375 केंद्र हो जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र में दो जगह मतदान केंद्र भवनों को बदलने के प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए गए उपरोक्त सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किए गए। जनप्रतिनिधियों द्वारा दो मतदान केंद्रों के संबंध में आंशिक संशोधन प्रस्तुत किए गए हैं जिनका परीक्षण कराए जाने के पश्चात उचित कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय स्कूल के 261 छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

गुरूवार को नगर के शासकिय स्कूल के छात्र छात्राओं को निशुल्क शिक्षण सामग्री का वितरण किया। सामाजिक संस्था जन सेवा संकल्प के केवल राम मालवीय ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जनपद के गांव देवली, केलापानी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय व आष्टा मे सेवा केंद्र पर 261 छात्र-छात्राओं को निशुल्क शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया।

शिक्षण सामग्री वितरण के समय उपस्थित शिक्षक आशीष परमार ने बताया कि संस्था जन सेवा संकल्प द्वारा पहले भी यहां पर सेवा कार्य किया गया था वास्तव में ग्रामीण क्षेत्र में अभावग्रस्त छात्र-छात्राओं के बीच सेवा कार्य किया जाए तो उसका लगी महत्व होता है। इन

छोटे-छोटे कार्यक्रम से वास्तव में ग्रामीण क्षेत्र के स्कूली बच्चों में प्रतिदिन स्कूल जाकर शिक्षा प्राप्त करने की ललक उत्पन्न होती है। मालवीय द्वारा शिक्षण सामग्री वितरित करने के साथ ही छात्र-छात्राओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण, स्वच्छता व संस्कार से संबंधित बातें भी बताई गई जो प्रबोधन का कार्य करती हैं।आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से शासकीय प्राथमिक शाला देवली शाला प्रभारी रमेश चंद्र परमार, ज्ञान सिंह परमार,आशीष परमार भंवरी,अमजद खान,संतोष कुमार परमाल, कला पानी शासकीय विद्यालय प्रभारी शिक्षक उमराव सिंह, विजय वर्मा, समाजसेवी ध्यान सिंह,दीपक काजले सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हर घर तिरंगा और हर घर स्वच्छता को लेकर जनपद में हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत के 282 गांव में 6 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता और स्वतंत्रता का उत्सव -स्वच्छता के संग मनाया जायेगा। इस सम्बन्ध में अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व विभाग-आष्टा नितिन टाले द्वारा सम्बंधित विभागों को निर्देश जारी किये गए हैं।

अभियान अंतर्गत सम्पादित के जाने वाली गतिवधियों के चरणबद्ध क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के लिए जनपद पंचायत स्थित सभाकक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित व्यास द्वारा तिरंगे से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी, स्वच्छ सुजल गांव शपथ, तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा प्रश्नोत्तरी, सैन्य बालों और पुलिस कर्मियों को पत्र लेखन, सार्वजनिक स्थानों और संस्थाओं में सफाई अभियान, नालों और नालियों की सफाई, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों, सेग्रिगेशन शेड की सफाई का कार्य, आजादी का स्वच्छता श्रमदान, जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्मित संरचनाओं की सफाई और पेंटिंग कार्य, तिरंगा बाइक एवं सायकल रैली, ग्राम जल और स्वच्छता समितियों की बैठक और उनकी सक्रीय सहभागिता सुनिश्चित करना, मानव श्रंखला का निर्माण एवं तिरंगा गान, व्यक्तिगत शौंचालयों की सफाई, ग्राउंड वाटर रिचार्ज और जल स्त्रोतों की सुरक्षा, ध्वजारोहण स्थलों की सफाई, ध्वजारोहण पूर्व अभ्यास,सभी संस्थाओं, अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख संस्थाओं में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन, हर घर तिरंगा के तहत घरों में झंडा रोहण तथा स्वच्छता चैंपियन का सम्मान आदि गतिविधियों के क्रियान्वयन सम्बन्धी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सोनू गुणवान द्वारा गांव की स्वच्छता को निरंतर बनाये रखने के लिए चिन्हांकित किये गए सार्वजनिक स्थानों से घूड़े तथा गंदगी हटाने के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक किया गया।

स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को जनपद पंचायत की निधि से पांच लाख रुपये स्वीकृत किये जाने की घोषणा की। जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष गजराज सिंह पटेल द्वारा हर घर तिरंगा फहराने के साथ हर घर और गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए उपस्थित प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कार्यशाला में अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी नवीन देवलिया .ब्लॉक समन्वयक, प्रधान मंत्री आवास रीना सोनी, एडीइओ, पीसीओ और उपयंत्रीगण उपस्थित थे। कार्यशाला का समन्वयन गौरव सिंह राठौड़, ब्लॉक समन्वयक द्वारा किया गया।

11 अगस्त से 31 अक्टूबर तक कर सकेंगे यात्रा

सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत जिले के तीर्थी यात्री 11 अगस्त से 31 अक्टूबर तक तीर्थदर्शन किया जा सकता है। तीर्थ यात्रा जिल से दो यात्रा आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा के लिए जारी निर्देशानुसार पहली यात्रा वाराणसी-अयोध्या-13 अगस्त से 18 अगस्त तक यात्री बर्थ-200 और अनुरक्षक एवं सुरक्षाकर्मी-4 रहेगें यात्रा के लिए आवेदन 11 अगस्त तक। दूसरी यात्रा तिरूपति 24 सितम्बर से 29 सितम्बर तक यात्री बर्थ-200 और अनुरक्षक एव सुरक्षाकर्मी-4रहेगें। यात्रा के लिए आवेदन 12 सितम्बर तक किया जा सकता हे। डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार कुशवाह ने सभी सीईओ जनपद पंचायत एवं सीएमओ नगर पालिका को निर्देश जारी किये है कि आवेदकों से आवेदन प्राप्त करने के लिए अपने-अपने स्तर पर यात्रा का प्रचार-प्रसार करें एवं सभी आवेदकों से निर्देशों का पालन करते हुए आवेदन लिए जावे।

झीकड़ी गांव के श्मशान में नहीं है टीन शेड खुले में होता है दाह संस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

देश को आजाद हुए आज कई दशक बीत चुके हैं। लेकिन आज भी ऐसे कई गांव हैं, जहां पर रहने वाले ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से रूबरू नहीं हो पाए हैं। ऐसा ही उदाहरण सीहोर जिले की आष्टा विधानसभा क्षेत्र की तहसील जावर के ग्राम झीकड़ी मैं देखने को मिला है। लगभग 1000 की आबादी वाले गांव में आजादी के बाद से आज तक श्मशान का निर्माण नहीं हो पाया है। बारिश से बचने टीन शेड तक नहीं है। श्मशान की भूमि लगभग तीन एकड़ है, लेकिन वहां के ग्रामवासी आज भी खुले में दाह संस्कार करने को मजबूर है। कई जनप्रतिनिधियों ने चुनाव के वक्त ग्रामीणों से झूठे वादे किए। लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद किसी ने भी ग्राम वासियों की सुध नहीं ली। स्थिति यह है कि आज भी झीकड़ी ग्राम के ग्रामीण और किसानों को खुले में दाह संस्कार करना पड़ता है। बरसात में यह स्थिति होती है कि शमशान तक जाने के लिए सड़क भी नहीं है। कई बार अस्थाई चद्दर और लकड़ी पर लगाकर दाह संस्कार किया गया जाता है। उक्त संबंध में ग्राम वासियों द्वारा पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जावर शैलेश कुमार वैद्य को अवगत करवाया गया तो नपा अध्यक्ष शैलेश वैद्य गांव जा पहुंचे। श्री वैद्य ने श्मशान जाकर देखा तो वहां का मंजर ही देखने लायक था। वैद्य ने उक्त संबंध में जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों से भी चर्चा की और उन्हें अवगत करवाया कि उक्त संबंध में ग्राम वासियों को सहायता की जाए। गांव में श्मशान होना पंचायत की व्यवस्थाएं होती है। परंतु लगभग 1000 की आबादी वाले ग्राम में इस तरह की अव्यवस्था होना बहुत ही दुखद एवं आश्चर्य का विषय है। संबंधित जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को भी इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। पूर्व नपा अध्यक्ष शैलेश वैद्य ने कहा कि जनपद ब्लॉक और पंचायत में इसके मद की व्यवस्था होती है तो फिर आखिर आजादी के बाद से आज तक वह पैसा कहां गया। जिसका श्मशान निर्माण होना था क्या वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। इसकी भी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। इस अवसर पर ग्राम के ठाकुर विजेंद्र सिंह भाटी, चंद्रदर सिंह, नारायण सिंह भाटी, शंकर मालवीय, चेतन सिंह पटेल, अर्जुन मालवीय, गजराज सिंह ठाकुर, हरि सिंह मालवीय सहित भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सनातन धर्म के ग्रंथों की पूजन कर संस्कृत सप्ताह का किया उदघाटन

राधा-कृष्ण के स्वरूप में छात्र-छात्राओं ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

सरस्वती विद्या मंदिर में प्रांतीय योजना के अनुसार संस्कृत सप्ताह के प्रथम दिवस पर भारतीय सनातन धर्म के ग्रंथों की पूजन कर संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य हरपाल सिंह सोलंकी एवं आचार्य परिवार द्वारा ग्रंथों का पुजन और रामायण की आरती की गई। संस्कृत सप्ताह के द्वीतिय दिवस के अवसर पर राधा कृष्ण के स्वरूप में भैया - बहन सखी री श्रवण मन भायो कार्यक्रम और बहनों के द्वारा राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। राधा रानी व भगवान कृष्ण को झूला झूलो कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। जिस में भैया बहनों एवं अभिभावक मात्र शक्ति ने भाग लिया। बाद में राधा कृष्ण के स्वरूप बने भैया बहनों का पुजन किया एवं प्रासाद वितरण की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।